राष्ट्रीय एकता यात्रा पर निकले विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का संबोधन

दिनांक 22 फरवरी 2024, गुरुवार	**समय : 4.30 PM**	**स्थान : राजभवन, असम**

राष्ट्रीय एकता यात्रा में शामिल

- 9 मद्रास (ट्रवनकोर) के अधिकारियों
- शिक्षिकों एवं
- मेरे प्यारे विद्यार्थियों

आज मुझे यहां आप सभी का स्वागत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह मेरे लिए विशेष अवसर है, क्योंकि इससे मुझे राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के आपके प्रयास की सराहना तथा प्रोत्साहित करने का मौका मिला है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि ऑपरेशन सद्भावना के तहत 9 मद्रास (ट्रवनकोर) द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय एकता यात्रा का आयोजन किया गया है। हमें गर्व है कि हमारी सेना सीमाओं की सुरक्षा करने के साथ-साथ देश में सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। इस भ्रमण कार्यक्रम के आयोजन के लिए मैं 9 मद्रास को हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

मुझ□ यह जानकर खुशी हुई कि 9 मद्रास न□ इस राष्ट्रीय एकता यात्रा में उन विद्यार्थियों को शामिल किया है, जो अति पिछड़□ क्षेत्र स□ आत□ हैं। इन युवाओ□ को उनक□ घरों स□ बाहर दश□ क□ अन्य जगहों का भ्रमण कराना आवश्यक है ताकि व□ भी अपन□ दश□ की विविध कला-सांस्कृति एव□ ऐतिहासिक स्थलों क□ बार□ में जान सकें और अपना ज्ञान बढ़ा सक□। ऐस□ प्रयासों स□ ही युवाओ□ में अनेकता में एकता का भाव जागृत होगा तथा व□ राष्ट्र क□ विकास में कार्य करन□ क□ लिए प्रेरित होंग□।

मित्र□ प्यार□ विद्यार्थियो,

जब हम नए-नए स्थानों पर जात□ हैं, तो वहाँ विविध वस्तुओ□ क□ बार□ में जानन□ और समझन□ का अवसर मिलता है। इसस□ मन प्रसन्न होता है और हमारा ज्ञानवर्धन भी होता है। भ्रमण स□ वर्तमान की सामाजिक परिस्थितियों का ही नही□, किन्तु विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों, मानव की सुंदर कलाकृतियों को दख□कर हम पुरानी सभयता, कला, संस्कृति एव□ परमपराओ□ क□ बार□ में भी ज्ञान प्राप्त करत□ हैं। भ्रमण क□ दौरान हमें विभिन्न परिस्थितियाँ प्राप्त होती हैं, जिसस□ हमें परिस्थितियों क□ अनुरूप सामंजस्य बनान□ का अनुभव प्राप्त होता है।

शैक्षिक भ्रमण का शिक्षा क्षेत्र में अपना विशेष महत्व है। हम जीवन में केवल पुस्तकों से ही नहीं, बल्कि भ्रमण के माध्यम से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। मैं समझता हूं कि भ्रमण हमारे किताबी ज्ञान में वृद्धि करता है। भ्रमण के दौरान हम चीजों को परोक्ष नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष रूप से देखते हैं, जिससे हमारे दिमाग में उसका ज्ञान स्थायी रहता है।

मुझे बताया गया है कि आप सभी ने 20 फरवरी को हायुलियांग से इस यात्रा की शुरुआत की है और 1 मार्च तक 9 मद्रास के अधिकारियों और अपने स्कूल के शिक्षकों के नेतृत्व में असम और कोलकाता के ऐतिहासिक और शैक्षणिक महत्व के स्थलों का भ्रमण करेंगे। मुझे विश्वास है कि इस यात्रा के दौरान आप इन जगहों की विविधता को प्रत्यक्ष रूप से जानेंगे, समझेंगे और अनुभव करेंगे।

आप सभी से कहना चाहूंगा कि आप इस यात्रा को केवल मनोरंजन के रूप न लें, बल्कि इसे कुछ नया जानने और समझने का अवसर मानें। मुझे विश्वास है कि इस दौरान आपको कई चीजें सीखने को मिलेंगी, जो भविष्य में आपके काम आएंगी।

मेरे प्यारे विद्यार्थियों

सफलता हर किसी के जीवन का लक्ष्य होता है। जीवन चुनौतियों और अवसरों से भरा है। लेकिन सफलता उन्हीं के हिस्से में आती है, जो अवसर को प्राप्त करने और चुनौतियों का सामना करने के लिए संघर्ष करते हैं। कड़ी मेहनत और समर्पण से सफलता प्राप्त की जा सकती है। आप जीवन में हमेशा बड़ा लक्ष्य रखें, बड़े-बड़े सपने देखें और फिर उन सपनों को साकार करने के लिए खूब मेहनत करें। आप जरूर सफल होंगे। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

मैं इस यात्रा दल में शामिल शिक्षिकों को भी धन्यवाद देता हूं और उनसे आग्रह करता हूं कि वे यात्रा के दौरान जिन-जिन जगहों पर जाएं, बच्चों को वहां की कला, संस्कृति, ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराएं ताकि वे देश की विविधता को समझें और अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकें।

अंत में आप सभी को सफल यात्रा के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।